सन् 2020–21

कक्षा– III

विषय–हिन्दी

(पुस्तक– नूतन सरल हिन्दी माला)

पाठ–4 हमारे त्योहार

पाठ का सारांश

हमारे त्योहार पाठ में भारत में मनाए जाने वाले त्योहारों के बारे में बताया है। भारत में अलग–अलग धर्मों के लोग अलग–अलग त्योहार मनाते हैं। हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों, ईसाइयों, बौद्धों आदि के प्रमुख त्योहारों का संक्षिप्त परिचय दिया गया है। सभी त्योहार हमें प्रसन्नता से जीने और मिल–जुलकर रहने का संदेश देतें हैं। त्योहारों के आने से हम अपनी सामान्य दिनचर्या से अलग एक विशेष उत्साह का अनुभव करते हैं। मित्रों और सगे–संबंधियों से मिलकर, आपस में प्यार बाँटकर हमें प्रसन्नता होती है। इस प्रकार त्योहारों का हमारे जीवन में काफी महत्व है।

मौखिक प्रश्न–

प्रश्न 1. **भारत में कौन–कौन से त्योहार बहुत धूम–धाम से मनाए जाते हैं? उनके नाम बताइए।**

उत्तर 1. भारत में होली, दीपावली, रक्षाबंधन, बैसाखी, पोंगल, बिहू और ओणम त्योहार धूम–धाम से मनाए जाते हैं।

प्रश्न 2. **रक्षा–बंधन पर भाई क्या करता है?**

उत्तर 2. रक्षाबंधन पर भाई, बहन की राखी के धागों में बँधकर हमेशा उसकी रक्षा करने का वचन देता है।

प्रश्न 3. **बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार किसके जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है?**

उत्तर 3. बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार गौतम बुद्ध के जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

प्रश्न 4. **तमिलनाडु में फ़सल पर आधारित कौन–सा पर्व मनाया जाता है?**

उत्तर 4. तमिलनाडु में फ़सल पर आधारित पोंगल पर्व मनाया जाता है।

क. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रश्न 1. **हिंदु लोग कौन–कौन से त्योहार मनाते हैं?**

उत्तर 1. हिंदू लोग होली, दीपावली, रक्षाबंधन तथा दशहरा के त्योहार मनाते हैं।

प्रश्न 2. **इसलाम धर्म को मानने वाले लोग कौन–से त्योहार मनाते हैं?**

उत्तर 2. इसलाम धर्म को मानने वाले लोग ईद–उल–फितर और ईद–उल–जुहा के त्योहार मनाते हैं।

प्रश्न 3. **सिक्ख तथा ईसाई धर्म को मानने वाले कौन–कौन से त्योहार मनाते हैं?**

उत्तर 3. सिक्ख धर्म को मानने वाले गुरू पर्व का त्योहार मनाते हैं।

ईसाई धर्म को मानने वाले क्रिसमस का त्योहार मनाते हैं।

प्रश्न 4. **भारत में फ़सलों के आधार पर मनाए जाने वाले त्योहारों के नाम लिखिए।**

उत्तर 4. भारत में असम में बिहू, तमिलनाडु में पोंगल, केरल में ओणम, उत्तर भारत, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में बैसाखी आदि का त्योहार फ़सलों की कटाई के समय मनाए जाते हैं।

प्रश्न 5. **त्योहारों का हमारे जीवन में क्या महत्व है?**

उत्तर 5. सभी त्योहार हमारे जीवन में प्रसन्नता, उत्साह, एकता एवं भाईचाारे की भावना का संदेश देते हैं।

शब्दार्थ –

उत्साह	–	उमंग, जोश
प्रसन्नता	–	खुशी, आनंद
पर्व	–	त्योहार
प्रतीक	–	चिह्न
प्रकाश–पर्व	–	रोशनी का त्योहार
आजीवन	–	जीवनभर
संदेश	–	खबर, सूचना
मत्था	–	माथा

पर्यायवाची शब्द –

प्रसन्नता	–	खुशी, हर्ष
त्योहार	–	उत्सव, पर्व
प्रकाश	–	रोशनी, उजाला
अंधकार	–	तम, तिमिर, अँधेरा

विलोम शब्द

अच्छाई – बुराई

धर्म – अधर्म

प्रकाश – अंधकार

प्रसन्नता – अप्रसन्नता

ख. सही (✓) या गलत (x)का निशान लगाइए।

1. भारत में अलग–अलग धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। (✓)
2. होली के दिन को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। (x)
3. दशहरे पर कुंभकर्ण, मेघनाद और रावण के पुतले जलाए जाते हैं। (✓)
4. 25 दिसम्बर को भगवान बुद्ध का जन्मदिन मनाया जाता है। (x)

पाठ–6
शर्मीली का सफ़र

पाठ का सारांश

शर्मीली का सफ़र पाठ में एक शर्मीली, डरी हुई बूँद की

नदी से लेकर समुद्र तक की यात्रा का विवरण दिया गया है।

इस बूँद को अपनी अनजान यात्रा में कहीं खो जाने का डर सताता रहता है। इस यात्रा में शर्मीली बूँद को नए–नए अनुभव होते हैं। समुद्र में पहुँचने पर वह घबराने लगती है कि अब वापस कैसे जाऊँगी। परंतु जब उसे पता चलता है कि भाप के रूप में वह बादलों का आकार लेकर दुबारा धरती पर आएगी और उसे नया जीवन मिलेगा, तो वह खुश हो जाती है।

मौखिक प्रश्न–

प्र.1 **नदी की अधिकतर बूँदें कैसी थी?**

उ.1 नदी की अधिकतर बूँदें बहुत नटखट थीं।

प्र.2 **शर्मीली कौन थी? उसे किसकी बातें अच्छी लगीं?**

उ.2 शर्मीली पानी की एक बूँद थी। शर्मीली को पानी की नई बूँद घुमक्कड़ की बातें अच्छी लगीं।

प्र.3 **घुमक्कड़ के साथ शर्मीली कहाँ चल पड़ी?**

उ.3 घुमक्कड़ के साथ शर्मीली दुनिया की सैर करने चल पड़ी।

प्र.4 **नदी की गति कहाँ पर कम हो जाती है?**

उ.4 नदी की गति पहाड़ों से निकलकर मैदानी भाग में पहुँचने पर कम हो जाती है।

मौखिक प्रश्न

प्र.1 **नदी का पानी कहाँ पर ठहरा सा लगता था?**

उ.1 नदी का पानी समुद्र पर ठहरा सा लगता था।

प्र.2 **क्या सोचकर शर्मीली घबराने लगी?**

उ.2 'अब कहाँ जाऊँगी, क्या करूँगी ? यह सोचकर शर्मीली घबराने लगी।

प्र.3 **शर्मीली ने सफ़र का सारा किस्सा किसे सुनाया?**

उ.3 शर्मीली ने सफ़र का सारा किस्सा मोती को सुनाया।

प्र.4 **मोती ने शर्मीली को समुद्र से जाने का रास्ता क्या बताया?**

उ.4 मोती ने शर्मीली को समुद्र से जाने का रास्ता यह बताया कि हवा तुम्हें भाप के रूप में उड़ाकर आसमान में बादल के रूप में पहुँचा देगी। कुछ दिन बाद वर्षा होने लगेगी और तुम एक नई बूँद बनकर धरती पर अपने घर पहुँच जाओगी।

क. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 **घुमक्कड़ का स्वभाव कैसा था?**

उ.1 घुमक्कड़ को घूमना–फिरना, नए दोस्त बनाना बहुत अच्छा लगता था।

प्र.2 **शर्मीली का सफ़र किस तरह आगे बढ़ता जा रहा था?**

उ.2 शर्मीली का सफ़र पहाड़ों, हरे–भरे वनों, नदी तटों से लगे हुए खेतों, लहलहाती फ़सलों और गाँवों को निहारते हुए आगे बढ़ता जा रहा था।

प्र.3 **समुद्र में पहुँचकर शर्मीली दुखी क्यों हो गई?**

उ.3 समुद्र में पहुँचकर शर्मीली को वापस घर लौटने का रास्ता नहीं दिखा तो वह दुखी हो गई।

प्र.4 **बूँदें बादलों तक कैसे पहुँच सकती हैं?**

उ.4 बूँदों को हवा भाप के रूप में उड़ाकर आसमान में बादलों तक पहुँचा देती है।

शब्दार्थ

तलहटी – निचला भाग, नीचे की ज़मीन

अनुभव – किसी काम के करने से मिली सीख या ज्ञान

घुमक्कड़ – जिसे घूमने–फिरने का शौक या आदत हो

सफ़र – यात्रा, कहीं जाना

निहारती हुई– देखती हुई

प्रयास – कोशिश

सागर – समुद्र

चाल – गति, चलने की क्रिया

ज़िंदगी – जीवन

नीलगगन – नीला आकाश

शोर – हल्ला, तरह–तरह की ज़ोर की आवाज़

भयानक – डरावना, डर या भय पैदा करने वाला

पाट – चौड़ाई, फैलाव

विशाल – बड़ा

शब्द भंडार

पर्यायवाची शब्द

नदी – सरिता, तरंगिनी

धरती – पृथ्वी, भूमि, भू

रात – रजनी, रात्रि, निशा

रास्ता – पथ, मार्ग, राह

पहाड़ – पर्वत, भूधर, नग

हवा – पवन, वायु, अनिल

विलोम शब्द

आगे – पीछे

शहर – गाँव

रोना – हँसना

नया – पुराना

खुश – उदास

जीवन – मृत्यु

ख. प्रश्नों के उत्तर पर सही ✓ का निशान लगाइए–

1. हिमालय की गोद में किसका घर था?

   अ. तालाब का ☐ ब. झील का ☐ स. नदी का ☑

2. नदी का पाट कहाँ पर चौड़ा हो जाता है?

   अ. मैदानी भाग में ☑ ब. गाँव के किनारे ☐ स. शहर के किनारे ☐

3. ''नन्ही बूँद, तुम रो क्यों रही हो?'' मोती ने यह बात किससे कही?

   अ. नटखट बूँदों से ☐ ब. शर्मीली से ☑ स. घुमक्कड़ से ☐

4. काले–भूरे बादलों की भयानक गरज–चमक के बाद क्या होती है?

   अ. वर्षा ☑ ब. ठंडक ☐ स. गरमी ☐

सन् 2020–21

कक्षा– III

विषय–हिन्दी (व्याकरण)

(पुस्तक– हिन्दी व्याकरण एवं रचना)

पाठ–3 शब्द और वाक्य

पाठ का सारांश

दो या दो से अधिक वर्णों का सार्थक मेल शब्द कहलाता है।

जैसे– शेर, सेब, दरवाज़ा, बर्तन आदि।

वर्ण और शब्द में अन्तर–

वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है तथा इसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।

जैसे– अ, आ....., क, ख, ग.....

जबकि वर्णों के योग से शब्द बनाए जाते हैं और इनके टुकड़े भी किए जा सकते हैं।

जैसे– तोता = तो + ता

तितली = ति + त + ली

शब्दों के दो भेद होते हैं–

1. सार्थक शब्द
2. निरर्थक शब्द

सार्थक शब्द– वर्णों के मेल से बने शब्द जिनका कुछ–न–कुछ अर्थ निकलता हो, सार्थक शब्द कहलाते हैं।

जैसे– भवन, शेर, बोतल आदि।

निरर्थक शब्द– वर्णों के मेल से बने कुछ ऐसे शब्द, जिनका कुछ भी अर्थ नहीं होता। ऐसे शब्द को निरर्थक शब्द कहते हैं।

जैसे– नवभ, रशे, तलबो आदि।

वाक्य–सार्थक शब्दों के क्रमबद्ध समूह को वाक्य कहते हैं।

जैसे– यह मेरी पुस्तक है।

वाक्य के अंग–

प्रत्येक वाक्य के दो अंग होते हैं–

उद्देश्य– जिसके बारे में बात की, उसे उद्देश्य कहते हैं।

जैसे– 'बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं' में 'बच्चे' उद्देश्य हैं।

क्योंकि बात बच्चों के बारे में जा रही है।

विधेय– उद्देश्य के बारे में जो बात कही जाए, उसे विधेय कहते हैं। जैसे– 'बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं' में 'क्रिकेट खेल रहे हैं' विधेय है, क्योंकि यह बात 'बच्चों' के बारे में कही जा रही है।

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

प्रश्न 1. शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण सहित उत्तर लिखिए।

उत्तर 1. दो या दो से अधिक वर्णों का सार्थक मेल शब्द कहलाता है।

उदाहरण– शेर, सेब, दरवाज़ा, बर्तन, पलंग आदि।

प्रश्न 2. वर्ण और शब्द में अंतर लिखिए।

उत्तर 2. वर्ण और शब्द में अंतर–

वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है तथा इसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।

जैसे– अ, आ.....

क, ख, ग.....आदि।

जबकि वर्णों के योग से शब्द बनाए जाते हैं और इनके टुकड़े भी किए जा सकते हैं।

जैसे– तोता = तो +ता

तितली = ति +त+ली

प्रश्न 3. वाक्य किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

उत्तर 3. वाक्य की परिभाषा– सार्थक शब्दों के क्रमबद्ध समूह को वाक्य कहते हैं।

जैसे– यह मेरी पुस्तक है।

2. अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. पतला है बहुत लड़का यह।	यह लड़का बहुत पतला है।
2. रहा है बरस पानी।	पानी बरस रहा है।
3. है आगरा में ताजमहल।	आगरा में ताजमहल है।
4. जाएँगी दिल्ली माता जी कब?	माता जी दिल्ली कब जाएँगी?
5. पी रहा है क्या अनवर?	अनवर क्या पी रहा है?

व्याकरण

पाठ–4 संज्ञा

पाठ का सारांश

किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान और भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के तीन भेद होते हैं–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, 2. जातिवाचक संज्ञा, 3. भाववाचक संज्ञा

व्यक्तिगत संज्ञा– जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, विशेष वस्तु या विशेष स्थान का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे–

विशेष व्यक्ति– जाकिर हुसैन, सचिन तेंदुलकर आदि।

विशेष स्थान– हवामहल, बिरला मंदिर आदि।

विशेष वस्तु– बस्ता, कलश आदि।

जातिवाचक संज्ञा– जिस शब्द से किसी वस्तु की जाति अथवा वर्ग का पता चलता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जाति के नाम– कारीगर, स्त्री आदि।

वर्ग के नाम– पुलिस, वकील आदि।

पशु–पक्षी के नाम– हिरण, कोयल आदि।

रिश्तों के नाम– दादा–दादी, माता–पिता आदि।

भाववाचक संज्ञा– जिस शब्द से किसी पदार्थ के गुण–दोष, अवस्था आदि का बोध हो, उसे 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं।

जैसे–

गुण–दोषों के नाम– मिठास, क्रोध आदि।

अवस्था के नाम– बचपन, बुढ़ापा आदि।

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

प्रश्न 1. संज्ञा किसे कहते हैं?

उत्तर 1. संज्ञा की परिभाषा– किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान और भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

प्रश्न 2. संज्ञा के कितने भेद होते हैं?

उत्तर 2. संज्ञा के भेद– संज्ञा के तीन भेद होते हैं–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. जाति वाचक संज्ञा
3. भाव वाचक संज्ञा

प्रश्न 3. भाववाचक संज्ञा से आप क्या समझते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 3. भाववाचक संज्ञा– जिस शब्द से किस पदार्थ के गुण–दोष, अवस्था आदि का बोध हो, उसे 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं।

गुण–दोषों के नाम– मिठास, क्रोध आदि।

अवस्था का नाम– बचपन, सर्दी आदि।

2. खाली जगह भरिए –

1. संज्ञा के तीन भेद होते हैं।
2. जिस शब्द से किसी व्यक्ति का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है।
3. 'अध्यापक बच्चों को पढ़ा रहे हैं।' वाक्य में अध्यापक जातिवाचक संज्ञा है।
4. 'हवामहल' व्यक्तिवाचक संज्ञा है।